सोहनलाल कमोडिटी ने किया एफएमसी के कदम का स्वागत

मनोज कुमार, ईशा कपूर, दिल्ली

कमोडिटी वेयरहाउसों को एक से ज्यादा एक्सचेंज के दायरे में लाने के लिए वायदा बाजार आयोग यानि एफएमसी द्वारा पिछले हफ्ते जारी किए गए डिस्कशन पेपर के कदम को वेयरहाउसिंग कंपनी सोहनलाल कमोडिटीज मैनेजमेंट यानि एसएलसीएम के सीईओ संदीप सभरवाल ने सराहा है।

संदीप के मुताबिक लंबे समय से कमोडिटी मार्केट के भागीदार इसकी मांग कर रहे हैं और अगर ऐसा होता है तो वेयरहाउसिंग कारोबार से जुड़ी कंपनियां न सिर्फ बेहतर सेवाएं देने में कामयाब होंगी बल्कि कई कमोडिटीज की कीमतों में कमी भी आएगी जिससे उपभोक्ताओं को फायदा होगा।

संदीप के मुताबिक अगर वेयरहाउसों को एक से ज्यादा कमोडिटी एक्सचेंज के दायरे में लाये जाने से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और कमोडिटी कारोबार में और पारदर्शिता आएगी जिसका फायदा कारोबारियों और उपभोक्ताओं को मिलेगा। इस कदम से कमोडिटी एक्सचेंजों पर हाजिर कारोबारियों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सिस्टम में लिक्विडिटी भी बढ़ेगी। सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट के सीईओ संदीप के मुताबिक इस कदम से कमोडिटी एक्सचेंजों पर हेजिंग और डिलिवरी आधारित कारोबार को बढ़ावा मिलेगा।

कुल मिलाकर अगर वेयरहाउसों को एक से ज्यादा कमोडिटी एक्सचेंजों के दायरे में लाया जाता है तो यह कदम कमोडिटी मार्केट के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। संदीप सभरवाल शुरूआत में इस नियम के दायरे में गेहूं, चना और सरसों जैसी जरूरी कमोडिटीज को इसके दायरे में लाने की सलाह दे रहे हैं।

पिछले हफ्ते ही वायदा बाजार आयोग यानि एफएमसी ने कमोडिटी बाजार के भागीदारों से वेयरहाउस को एक से ज्यादा कमोडिटी एक्सचेंज के दायरे में लाने के लिए सुझाव मांगे हैं। आयोग की वेबसाइट पर लगे नोटिस के मुताबिक कमोडिटी बाजार के कई भागीदारों की ओर से ऐसा कहा जा रहा था कि अगर कोई वेयरहाउस आयोग की शर्तों को पूरा करता है तो वो एक या एक से अधिक एक्सचेंज से मान्यता लेने के लिए स्वतंत्र हो। इन सुझावों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने कमोडिटी मार्केट के अन्य भागीदारों से इसपर सुझाव मांगा है। आयोग ने इस विषय पर डिस्कशन पेपर जारी किया है और बाजार के भागीदारों से 31 जनवरी तक सुझाव आमंत्रित किए हैं।

दालों पर स्टॉक लिमिट बढ़ाने की मांग कर रहे कारोबारी

तरुण कश्यप, दिल्ली

दिल्ली के कारोबारी दालों पर स्टॉक लिमिट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। लॉरेंस रोड मंडी में दाल गल्ला कमेटी के अध्यक्ष अशोक गुप्ता के मुताबिक दाल मिलर्स के लिए तो स्टॉक लिमिट की सीमा पर्याप्त है लेकिन ट्रेडर्स के लिए लिमिट बहुत कम रखी गई है। उनके मुताबिक ट्रेडर्स मौजूदा नियम के अनुसार 2,000 बोरी से ज्यादा का स्टॉक नहीं रख सकते, जिसके चलते उन्हें कारोबार करने में काफी परेशानी होती है।

जगह की तंगी से दूसरी जगह शिफ्ट हो रहा कारोबार

अशोक गुप्ता के मुताबिक जगह कम होने और जाम जैसी समस्याओं के चलते लॉरेंस रोड मंडी से कारोबार धीरे-धीरे हरियाणा की ओर शिफ्ट हो रहा है। उनका कहना है कि लॉरेंस रोड मंडी में कारोबार करने वाले ज्यादातर कारोबारी धीरे-धीरे अब अपना कारोबार समेटकर हरियाणा में शिफ्ट कर रहे हैं।

उनके मुताबिक हरियाणा सबसे नजदीक और कारोबार करने के लिए सबसे बेहतर जगह हैं। उनका कहना है कि हालांकि कुछ समय पहले तक कुछ कारोबार नरेला मंडी में जा रहा था लेकिन अब कारोबारियों का ध्यान हरियाणा की ओर बन गया है।

15 जनवरी को स्टील के भाव

स्टील	क्वालिटी	मंडी गोविंदगढ़	गाजियाबाद	मुंबई
एमएस इनगोट		31300 (+100)	30100	30100 (-100)
एमएस बिलेट		31900 (+300)	30700 (-100)	30300 (-100)
स्पॉन्ज आयरन	70-80 एफई	23000 (+300)		
पिग आयरन	स्टील ग्रेड	29000		26500
पिग आयरन	फाउंडरी ग्रेड	32000		28000
स्क्रैप	एचएमएस	23000 (+100)		22000 (-100)
टीएमटी सरिया	12 एमएम	35600 (-100)	33200 (+200)	33500
टीएमटी सरिया	20 एमएम	36300 (-100)	32700 (+200)	33300
एंगल	40 एमएम	34400		33700
चैनल	100 एमएम		36300	34400
आई बीम	125 एमएम		35400	34800

भाव रुपये प्रति टन में

ऊपर दिए गए भाव में टैक्स शामिल नहीं है, ब्रांड के बदलने पर भाव भी बदल सकता है